(c) the names of the Government departments with which they held meetings during their visit; and

(d) whether they had also met the officials of the Ministry of Chemicals and Fertilizers; if so, the prime objectives thereof and the bilateral issues discussed in the meeting?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) Yes, Sir. The Minister of Trade and Industry of Oman visited India between 30 April—2 May, 1998.

(b) The prime objective of the visit of the Omani Minister was to inaugurate the "OMAN WEEK" which was held in New Delhi from May 1—6, 1998.

(c) and (d) The visiting dignitary had meetings with the Ministers of Petroleum, Commerce and Chemicals & Fertilisers, and the Minister of State for External Affairs during which bilateral relations in the political, economic and cultural fields were discussed.

G-8 Countries' Reaction to Nuclear Test

2495. SHRI NILOTPAL BASU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the salient features of G-8 countries' reaction to India in the post blast aftermath; and

(b) the response to Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) Foreign Minister of the G-8 countries held a special meeting in London on June 12, 1998 to "consider the serious global challenge posed by the nuclear tests carried out by India and Pakistan". In a Communique issued at the end of their meeting, the G-8 Foreign Ministers said that the tests had "affected both countries' relationship with each of us, worsened rather than improve their security environment, damaged their prospects of achieving their goals of sustainable economic development, and run countrary to global efforts towards nuclear non-proliferation and nuclear disarmament". They called on India (and Pakistan) to stop further nuclear tests, adhere to the CTBT immediately and unconditionally thereby facilitating its early entry into force", refrain from weaponisation or deployment of nuclear weapons, participate in negotiations on a Fissile Material Cut-Off Treaty in the Conference on Disarmament "with a view to reaching early agreement" and refrain from exporting nuclear and missiles technology. They also called on both countries to take steps to reduce tensions in the subcontinent through dialogue and peaceful means. The G-8 Foreign Ministers said that the recent nuclear tests would not confer nuclear weapon status on India and Pakistan under the NPT.

(b) Government considers the G-8 Foreign ministers Communique as unfortunate, as their statement ignored the several positive gestures made by Government in the aftermath of the nuclear tests. These include, inter-alia, the institution of a moratorium on nuclear testing, our willingness to explore ways and means for de jure formalisation of this undertaking, our readiness to engage in negotiations on and FMCT in the Conference on Disarmament in Geneva, and our willingness to maintain and further develop strict export controls on nuclear related materials and technology. Government have consistently made known India's continued commitment to developing a framework of peaceful relations with Pakistan through a broadbased and sustained bilateral dialogue. Government have also reiterated India's commitment to embark on a well-considered, comprehensive and purposeful programme meant to futher genuine non-proliferation and global nuclear disarmament. Government have called on the G-8 countries to reflect seriously on the proposals made by India rather than attempt

to prescribe coercive and intrusive suggestions which could be counterproductive.

बेलारूस के शासनाध्यक्ष की भारत यात्रा

2496. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बेलारूस के शासनाध्यक्ष ने हाल में ही भारत की यात्रा की थी;

(ख) यदि हां, तो किन-किन मुद्दों पर चर्चा हुई और इसके क्या परिणाम निकले;

(ग) क्या इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कोई समझौते किए गए;

(घ) यदि हां, तो इनकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं; और

(ङ) क्या उन्होंने भारतीय व्यापारियों के साथ व्यापार-संबंधी और संयुक्त उद्यम लगाने के लिए पेशकश की और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे): (क) और (ख) बेलारूस गणराज्य के राष्ट्रपति ने 25—28 सितम्बर 1997 को भारत की यात्रा की। यात्रा के दौरान बातचीत में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मसलों सहित आपसी हित के सभी मसलों को शामिल किया गया। इनसे एक दूसरे की हित-चिन्ताओं के प्रति समझबूझ में वृद्धि हुई और विविध क्षेत्रों में बेलारूस के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध और अधिक मजबूत तथा प्रगाढ़ हुए।

(ग) और (घ) इस यात्रा के दौरान भारत और बेलारूस के बीच पांच द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए. इसकी प्रमुख बातें हैं:—

I. दोहरे कराधान के परिहार से संबद्ध करार:

इस करार में दोनों देशों में व्यक्तियों और कार्पोरेट निकायों की आय पर एक से अथवा काफी हद तक एक जैसे, करों से बचने का प्रयास है। इससे दोनों देशों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा आपसी निवेश संवर्धित होगा तथा एक दूसरे के क्षेत्र में अपनी वास्तविक मौजूदगी के द्वारा निवेशकर्ताओं फर्मों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

II. डाक और दूरसंचार के क्षेत्र में सहयोग से संबद्ध करार:

इस करार से दोनों देशों के संचार प्राधिकारियों के बीच संयोगात्मक ढांचा तैयार करके भारत और बेलारूस तथा अन्यत्र डाक और दूरसंचार सेवाओं को सुधारने में मदद मिलेगी। इससे आपसी लाभ के लिए विशेषज्ञों और तकनीकी जानकारी का द्विपक्षीय आदन-प्रदान भी बढ़ेगा।

III. आर्थिक, व्यापार, औद्योगिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी आयोग के गठन से संबद्ध करार:

इस करार के द्वारा, द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक, औद्योगिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक मामलों पर बातचीत के लिए एक अन्तर-सरकारी आयोग का गठन किया गया है।

IV. हाई सेवा से संबद्ध करार:

यह करार दोनों देशों में दिल्ली और मिंस्क और भारत और बेलारूस के एक-एक शहर के बीच निर्धारित एअर लाइंसों की निर्धारित उड़ानों के प्रचालन के लिए ढांचा तैयार करता है। ऐसी उड़ानें द्विपक्षीय व्यापार तथा पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

V. विदेश कार्यालय परामर्श संबंधी प्रोतोकोल:

इस प्रोतोकोल में आपसी हितचिन्ताओं के सभी मसलों पर भारत के विदेश मंत्रालय और बेलारूस के विदेश मंत्रालय के बीच द्विवार्षिक परामर्शों का प्रावधान है।

(ङ) यात्रा के दौरान बेलारूस के राष्ट्रपति ने भारत-बेलारूस व्यापार और आर्थिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने में रूचि ली। भारतीय पक्ष ने ऐसी ही इच्छा प्रकट की। बेलारूस के विदेश आर्थिक संबंध मंत्री ने भारतीय उद्योग परिसंघ के साथ समझौता ज्ञापन तथा मुम्बई में भारत-बेलारूस ट्रेडिंग हाउस खोलने के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

U.S. Aid Package to Pakistan

2497. **SHRIMATI VEENA VERMA:**
SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:

Will the PRIME MINISTER of be pleased to state:

(a) whether the U.S. had offered a massive aid package to Pakistan as an